

199



आयुक्त (अपील्स) का कार्यालय, केन्द्रीय वस्तु एवं सेवा कर और उत्पाद शुल्क:
O/O THE COMMISSIONER (APPEALS), CENTRAL GST & EXCISE,

द्वितीय तल, जी एस टी भवन / 2nd Floor, GST Bhavan,

रेस कोर्स रिंग रोड, / Race Course Ring Road,

राजकोट / Rajkot - 360 001

Tele Fax No. 0281 - 2477952/2441142 Email: cexappealsrajkot@gmail.com



सामर्थ्य जयते

रजिस्टर्ड डाक ए. डी. द्वारा :-

क	अपील / फाइल संख्या / Appeal / File No. V2/24/BVR/2017	मूल आदेश सं / O.I.O. No. R/68/2016	दिनांक / Date 28.12.2016
---	---	--	--------------------------------

ख अपील आदेश संख्या (Order-In-Appeal No.):

BHV-EXCUS-000-APP-098-2017-18

आदेश का दिनांक / Date of Order:	24.01.2018	जारी करने की तारीख / Date of issue:	25.01.2018
------------------------------------	-------------------	--	-------------------

कुमार संतोष, आयुक्त (अपील्स), राजकोट द्वारा पारित /
Passed by Shri Kumar Santosh, Commissioner (Appeals), Rajkot

ग अपर आयुक्त/ संयुक्त आयुक्त/ उपायुक्त/ सहायक आयुक्त, केन्द्रीय उत्पाद शुल्क सेवाकर, राजकोट / जामनगर / गण्डीधम। द्वारा उपरोक्तित जारी मूल आदेश से सुक्ति /
Arising out of above mentioned OIO issued by Additional/Joint/Deputy/Assistant Commissioner, Central Excise / Service Tax, Rajkot / Jamnagar / Gandhidham :

घ अपीलकर्ता & प्रतिवादी का नाम एवं पता /Name&Address of the Appellants & Respondent :-
1.M/s Dharti Engineers Sardar Nagar Street No. 1 Chakkargadh Road, Amreli,-365601

इस आदेश(अपील) से पराहित कोई व्यक्ति निम्नलिखित तरीके में उपरोक्त प्राधिकारी / प्राधिकरण के समक्ष अपील दायर कर सकता है।
Any person aggrieved by this Order-in-Appeal may file an appeal to the appropriate authority in the following way.

(A) सीमा शुल्क, केन्द्रीय उत्पाद शुल्क एवं सेवाकर अपीलपीठ न्यायाधिकरण के प्रति अपील, केन्द्रीय उत्पाद शुल्क अधिनियम, 1944 की धारा 35B के अन्तर्गत एवं वित्त अधिनियम, 1994 की धारा 86 के अन्तर्गत निम्नलिखित जगह की जा सकती है। /

Appeal to Customs, Excise & Service Tax Appellate Tribunal under Section 35B of CEA, 1944 / Under Section 86 of the Finance Act, 1994 an appeal lies to:-

(i) वर्गीकरण, मूल्यमापन से सम्बन्धित सभी मामलों सीमा शुल्क, केन्द्रीय उत्पाद शुल्क एवं सेवाकर अपीलपीठ न्यायाधिकरण की विशेष पीठ, वेस्ट ब्लॉक नं 2, आर. के. पुरम, नई दिल्ली, को की जानी चाहिए। /

The special bench of Customs, Excise & Service Tax Appellate Tribunal of West Block No. 2, R.K. Puram, New Delhi in all matters relating to classification and valuation.

(ii) उपरोक्त परिच्छेद 1(a) में बतलाए गए अपील के अलावा शेष सभी अपील सीमा शुल्क, केन्द्रीय उत्पाद शुल्क एवं सेवाकर अपीलपीठ न्यायाधिकरण (सिस्टेट) की पश्चिम क्षेत्रीय पीठिमा, द्वितीय तल, बहामली भवन असावा अहमदाबाद- 380016 को की जानी चाहिए। /

To the West regional bench of Customs, Excise & Service Tax Appellate Tribunal (CESTAT) at, 2nd Floor, Bhaumali Bhawan, Asawa Ahmedabad-380016 in case of appeals other than as mentioned in para- 1(a) above

(iii) अपीलपीठ न्यायाधिकरण के समक्ष अपील प्रस्तुत करने के लिए केन्द्रीय उत्पाद शुल्क (अपील) नियमावली, 2001, के नियम 6 के अन्तर्गत निर्धारित फिए एवं फॉर्म EA-3 को चार प्रतियों में दर्ज किया जाना चाहिए। इनमें से कम से कम एक प्रति के साथ, जहां उत्पाद शुल्क की रकम, ब्याज की रकम और लगाया गया जुर्माना, रुपए 5 लाख या उससे कम, 5 लाख रुपए या 50 लाख रुपए तक अथवा 50 लाख रुपए से अधिक है तो क्रमशः 1,000/- रुपये, 5,000/- रुपये अथवा 10,000/- रुपये का निर्धारित जमा शुल्क की प्रति संलग्न करें। निर्धारित शुल्क का भुगतान, संबंधित अपीलपीठ न्यायाधिकरण की सहाय के सहायक रजिस्टार के नाम से किसी भी सार्वजनिक क्षेत्र के बैंक द्वारा जारी रेखांकित बैंक ड्राफ्ट द्वारा किया जाना चाहिए। संबंधित ड्राफ्ट का भुगतान, बैंक की उस शाखा में होना चाहिए जहां संबंधित अपीलपीठ न्यायाधिकरण की शाखा स्थित है। स्थगन आदेश (स्टे ऑर्डर) के लिए आवेदन-पत्र के साथ 500/- रुपए का निर्धारित शुल्क जमा करना होगा। /

The appeal to the Appellate Tribunal shall be filed in quadruplicate in form EA-3 / as prescribed under Rule 6 of Central Excise (Appeal) Rules, 2001 and shall be accompanied against one which at least should be accompanied by a fee of Rs. 1,000/- Rs.5000/-, Rs.10,000/- where amount of duty demand/interest/penalty/refund is upto 5 Lac., 5 Lac to 50 Lac and above 50 Lac respectively in the form of crossed bank draft in favour of Asst. Registrar of branch of any nominated public sector bank of the place where the bench of any nominated public sector bank of the place where the bench of the Tribunal is situated. Application made for grant of stay shall be accompanied by a fee of Rs. 500/-

(B) अपीलपीठ न्यायाधिकरण के समक्ष अपील, वित्त अधिनियम, 1994 की धारा 86(1) के अन्तर्गत सेवाकर निव्वलाही, 1994, के नियम 9(1) के तहत निर्धारित फॉर्म S.T.5 में चार प्रतियों में की जा सकती एवं उसके साथ जिला आदेश के विरुद्ध अपील की सची हो, उसकी प्रति साथ में संलग्न करें (उनमें से एक प्रति प्रमाणित होनी चाहिए) और इनमें से कम से कम एक प्रति के साथ, जहां सेवाकर की रकम, ब्याज की रकम और लगाया गया जुर्माना, रुपए 5 लाख या उससे कम, 5 लाख रुपए या 50 लाख रुपए तक अथवा 50 लाख रुपए से अधिक है तो क्रमशः 1,000/- रुपये, 5,000/- रुपये अथवा 10,000/- रुपये का निर्धारित जमा शुल्क की प्रति संलग्न करें। निर्धारित शुल्क का भुगतान, संबंधित अपीलपीठ न्यायाधिकरण की सहाय के सहायक रजिस्टार के नाम से किसी भी सार्वजनिक क्षेत्र के बैंक द्वारा जारी रेखांकित बैंक ड्राफ्ट द्वारा किया जाना चाहिए। संबंधित ड्राफ्ट का भुगतान, बैंक की उस शाखा में होना चाहिए जहां संबंधित अपीलपीठ न्यायाधिकरण की शाखा स्थित है। स्थगन आदेश (स्टे ऑर्डर) के लिए आवेदन-पत्र के साथ 500/- रुपए का निर्धारित शुल्क जमा करना होगा। /

The appeal under sub section (1) of Section 86 of the Finance Act, 1994, to the Appellate Tribunal Shall be filed in quadruplicate in Form S.T.5 as prescribed under Rule.9(1) of the Service Tax Rules, 1994, and Shall be accompanied by a copy of the order appealed against (one of which shall be certified copy) and should be accompanied by a fees of Rs. 1000/- where the amount of service tax & interest demanded & penalty levied of Rs. 5 Lakhs or less, Rs.5000/- where the amount of service tax & interest demanded & penalty levied is, more than five lakhs but not exceeding Rs. Fifty Lakhs, Rs.10,000/- where the amount of service tax & interest demanded & penalty levied is more than fifty Lakhs rupees, in the form of crossed bank draft in favour of the Assistant Registrar of the bench of nominated Public Sector Bank of the place where the bench of Tribunal is situated. / Application made for grant of stay shall be accompanied by a fee of Rs.500/-

(i) वित्त अधिनियम, 1994 की धारा 86 की उप-धाराओं (2) एवं (2A) के अंतर्गत दंड की नयी अपील, सेवाकर निवृत्तवादी, 1994, के नियम 5(2) एवं 9(2A) के तहत निर्धारित धारा S.T.-7 में की जा सकेगी एवं उसके साथ अनुबन्ध, केन्द्रीय उत्पाद शुल्क अध्याय अनुबन्ध (अपील), केन्द्रीय उत्पाद शुल्क द्वारा जारी आदेश की प्रतिमा संसमर्न की (उनमें से एक प्रति प्रामाणित होनी चाहिए) और अनुबन्ध द्वारा सहायक अनुबन्ध अथवा उपानुबन्ध, केन्द्रीय उत्पाद शुल्क सेवाकर, को अपीलीय न्यायाधिकरण को अपील दंड करने का निर्देश देने वाले आदेश की प्रति भी साथ में संसमर्न करनी होगी। /
The appeal under sub section (2) and (2A) of the section 86 the Finance Act 1994, shall be filed in For ST.7 as prescribed under Rule 9 (2) & 9(2A) of the Service Tax Rules, 1994 and shall be accompanied by a copy of order of Commissioner Central Excise or Commissioner, Central Excise (Appeals) (one of which shall be a certified copy) and copy of the order passed by the Commissioner authorizing the Assistant Commissioner or Deputy Commissioner of Central Excise/ Service Tax to file the appeal before the Appellate Tribunal.

(ii) सीमा शुल्क, केन्द्रीय उत्पाद शुल्क एवं सेवाकर अपीलीय प्राधिकरण (सेस्टैट) के प्रति अपील के मामले में केन्द्रीय उत्पाद शुल्क अधिनियम 1944 की धारा 35एक के अंतर्गत, जो की वित्तीय अधिनियम, 1994 की धारा 83 के अंतर्गत सेवाकर को भी लागू की गई है, इस आदेश के प्रति अपीलीय प्राधिकरण में अपील करने समय उत्पाद शुल्कसंबंध का मूल के 10 प्रतिशत (10%), जब मूल एवं जुर्माना विवादित है, या जुर्माना, जब केवल जुर्माना विवादित है, का भुगतान किया जाए, बशर्त कि इस धारा के अंतर्गत जमा कि जाने वाली अपेक्षित देय राशि दस करोड़ रुपए से अधिक न हो।
केन्द्रीय उत्पाद शुल्क एवं सेवाकर के अंतर्गत 'मूल किए गए शुल्क' में निम्न शामिल है
(i) धारा 11 डी के अंतर्गत रकम
(ii) सेमिटेड जमा की गयी राशि
(iii) सेमिटेड जमा निवृत्तवादी के नियम 6 के अंतर्गत देय रकम
- बशर्त यह कि इस धारा के प्राधान वित्तीय (सं. 2) अधिनियम 2014 के आरंभ से पूर्व किसी अपीलीय प्राधिकारी के समक्ष विवादित मसाले अर्थात् अपील को लागू नहीं होने।

For an appeal to be filed before the CESTAT, under Section 35F of the Central Excise Act, 1944 which is also made applicable to Service Tax under Section 83 of the Finance Act, 1994, an appeal against this order shall lie before the Tribunal on payment of 10% of the duty demanded where duty or duty and penalty are in dispute, or penalty, where penalty alone is in dispute, provided the amount of pre-deposit payable would be subject to a ceiling of Rs. 10 Crores.

Under Central Excise and Service Tax, "Duty Demanded" shall include :

- (i) amount determined under Section 11 D;
- (ii) amount of erroneous Cenvat Credit taken;
- (iii) amount payable under Rule 6 of the Cenvat Credit Rules

- provided further that the provisions of this Section shall not apply to the stay application and appeals pending before any appellate authority prior to the commencement of the Finance (No.2) Act, 2014.

(C) भारत सरकार को पुनरीक्षण आवेदन :
Revision application to Government of India:
इस आदेश की पुनरीक्षण याचिका निम्नलिखित मामलों में, केन्द्रीय उत्पाद शुल्क अधिनियम, 1994 की धारा 35EE के प्रथम परन्तुक के अंतर्गत अवर सचिव, भारत सरकार, पुनरीक्षण आवेदन ईकाई, वित्त मंत्रालय, राजस्व विभाग, चौकी मंजिल, जीवाणु टैप भवन, संसद भवन, नई दिल्ली-110001, को किया जाना चाहिए। /
A revision application lies to the Under Secretary, to the Government of India, Revision Application Unit, Ministry of Finance, Department of Revenue, 4th Floor, Jeevan Deep Building, Parliament Street, New Delhi-110001, under Section 35EE of the CEA 1944 in respect of the following case, governed by first proviso to sub-section (1) of Section-35B ibid:

(i) यदि माल के किसी नुकसान के मामले में, जहां नुकसान किसी माल को किसी कारखाने से भंडार गृह के परिवहन के दौरान या किसी अन्य कारखाने या फिर किसी एक भंडार गृह से दूसरे भंडार गृह परिवहन के दौरान, या किसी भंडार गृह में या भंडारण में माल के परतंत्रण के दौरान, किसी कारखाने या किसी भंडार गृह में माल के नुकसान के मामले में। /
In case of any loss of goods, where the loss occurs in transit from a factory to a warehouse or to another factory or from one warehouse to another during the course of processing of the goods in a warehouse or in storage whether in a factory or in a warehouse

(ii) भारत के बाहर किसी राष्ट्र या क्षेत्र को निर्यात कर रहे माल के विभिन्न माल पर अभी गई केन्द्रीय उत्पाद शुल्क के छूट (रिबेट) के मामले में, जो भारत के बाहर किसी राष्ट्र या क्षेत्र को निर्यात की गयी है। /
In case of rebate of duty of excise on goods exported to any country or territory outside India of on excisable material used in the manufacture of the goods which are exported to any country or territory outside India.

(iii) यदि उत्पाद शुल्क का भुगतान किए बिना भारत के बाहर, नेपाल या भूटान को माल निर्यात किया गया है। /
In case of goods exported outside India export to Nepal or Bhutan, without payment of duty.

(iv) सुनिश्चित उत्पाद के उत्पादन शुल्क के भुगतान के लिए जो द्यूटी क्रेडिट इस अधिनियम एवं इसके विभिन्न प्राधानों के तहत राज्य की गई है और ऐसे आदेश जो अनुबन्ध (अपील) के द्वारा वित्त अधिनियम (नं. 2), 1998 की धारा 109 के द्वारा नियत की गई तरीक अथवा समायाचिधि पर का बंद में परिणत किए गये हैं। /
Credit of any duty allowed to be utilized towards payment of excise duty on final products under the provisions of this Act or the Rules made there under such order is passed by the Commissioner (Appeals) on or after, the date appointed under Sec. 109 of the Finance (No.2) Act, 1998.

(v) उपरोक्त आवेदन की दो प्रतियां धारा संख्या EA-8 में, जो की केन्द्रीय उत्पादन शुल्क (अपील) विधिसावली, 2001, के नियम 9 के अंतर्गत विनिर्दिष्ट है, इस आदेश के संशेषण के 3 माह के अंतर्गत की जानी चाहिए। उपरोक्त आवेदनों के साथ मूल आदेश व अपील आदेश की दो प्रतियां संसमर्न की जानी चाहिए। साथ ही केन्द्रीय उत्पाद शुल्क अधिनियम, 1944 की धारा 35-EE के तहत निर्धारित शुल्क की अद्यवगी के साथ के तौर पर TR-6 की प्रति संसमर्न की जानी चाहिए। /
The above application shall be made in duplicate in Form No. EA-8 as specified under Rule, 9 of Central Excise (Appeals) Rules, 2001 within 3 months from the date on which the order sought to be appealed against is communicated and shall be accompanied by two copies each of the O.I.O. and Order-In-Appeal. It should also be accompanied by a copy of TR-6 Challan evidencing payment of prescribed fee as prescribed under Section 35-EE of CEA, 1944, under Major Head of Account.

(vi) पुनरीक्षण आवेदन के साथ निम्नलिखित निर्धारित शुल्क की अदावगी की जानी चाहिए। /
जहाँ संसमर्न रकम एक लाख रुपये या उससे कम हो तो रुपये 200/- का भुगतान किया जाए और यदि संसमर्न रकम एक लाख रुपये से ज्यादा हो तो रुपये 1000 -/ का भुगतान किया जाए। /
The revision application shall be accompanied by a fee of Rs. 200/- where the amount involved in Rupees One Lac or less and Rs. 1000/- where the amount involved is more than Rupees One Lac.

(D) यदि इस आदेश में कई मूल आदेशों का समावेश है तो प्रत्येक मूल आदेश के लिए शुल्क का भुगतान, उपरोक्त दम में किया जाना चाहिए। इस तथ्य के होने हुए भी की निष्का पट्टी करने से बचने के लिए यथास्थिति अपीलीय न्यायाधिकरण को एक अपील या केन्द्रीय सरकार को एक आवेदन किया जाता है। /
In case, if the order covers various numbers of order- in Original, fee for each O.I.O. should be paid in the aforesaid manner, notwithstanding the fact that the one appeal to the Appellate Tribunal or the one application to the Central Govt. As the case may be, is filed to avoid scriptona work if excising Rs. 1 lakh fee of Rs. 100/- for each.

(E) यथासंशोधित न्यायालय शुल्क अधिनियम, 1975, के अनुसूची-1 के अनुसार मूल आदेश एवं न्यमन आदेश की प्रति पर निर्धारित 6.50 रुपये का न्यायालय शुल्क रिबिट लेना होगा चाहिए। /
One copy of application or O.I.O. as the case may be, and the order of the adjudicating authority shall bear a court fee stamp of Rs. 6.50 as prescribed under Schedule-1 in terms of the Court Fee Act,1975, as amended.

(F) सीमा शुल्क, केन्द्रीय उत्पाद शुल्क एवं सेवाकर अपीलीय न्यायाधिकरण (कायें विधि) विधिसावली, 1982 में वर्णित एवं अन्य संबंधित मामलों को सम्बन्धित करने वाले नियमों की और भी ध्यान अर्पणित किया जाता है। /
Attention is also invited to the rules covering these and other related matters contained in the Customs, Excise and Service Appellate Tribunal (Procedure) Rules, 1982.

(G) उच्च अपीलीय प्राधिकारी को अपील दाखिल करने में संबंधित दस्तावेज, विस्तृत और नवीनतम प्राधानों के लिए, अपीलाधी विभागीय वेबसाइट www.cbec.gov.in की देख सकते हैं। /
For the elaborate, detailed and latest provisions relating to filing of appeal to the higher appellate authority, the appellant may refer to the Departmental website www.cbec.gov.in



:: ORDER-IN-APPEAL ::

M/s. Dharti Engineers, Sardar Nagar Street No. 1, Chakkargadh Road, Amreli-365601, Gujarat (hereinafter referred to as 'the appellant') has filed the present appeal against the Order-In-Original No. R/68/2016 dated 28.12.2016 (hereinafter referred to as 'the impugned order'), passed by the Assistant Commissioner, Service Tax Division, Bhavnagar (hereinafter referred to as "the lower adjudicating authority").

2. Brief facts of case are that the appellant filed an application for refund of Rs. 11,77,372/- for Service Tax paid by them for construction purpose on the basis of Section 102 of the Finance Act, 1994 (hereinafter referred to as "the Act"). The lower adjudicating authority issued query letter F. No. V/18-70/S.T./DIV/2016-17/Rf. dated 23.11.2016 asking appellant to submit reply to few discrepancies pointed out by the Department. Personal hearing was given to appellant, which was not attended to by them. The appellant filed reply dated 28.11.2016, however, Show Cause Notice dated 02.12.2016 was issued to appellant. Personal hearing was granted to appellant which was not attended by them but they submitted reply on 16.12.2016 and 19.12.2016.

3. The Show Cause Notice was decided by the lower adjudicating authority vide the impugned order wherein he sanctioned refund of Rs. 5,88,686/- and rejected refund of Rs. 5,88,686/- by holding it ineligible for refund being excess payment made by appellant under the provisions of Section 102 of the Act.

4. Being aggrieved with the impugned order, the appellant preferred the present appeal on the following grounds:

1. The appellant had provided services to various Government and local authorities in the nature of Works Contract Services falling at Sr. No. 12 of Mega Exemption Notification No. 25/2012-ST dated 20.06.2012. The said exemption from payment of Service Tax was withdrawn on certain services vide Notification No. 06/2015-ST with effect from 01.04.2015. At the time of bidding for the said projects, the Service Tax exemption was available on the services provided to various Government and local authorities w.e.f. 01.04.2015 due to withdrawal of exemption, they had paid Service Tax on the said taxable services. The said exemptions were again restored vide Notification No. 09/2016-ST dated 01.03.2016 as mentioned at Section 102 of the Act. The works contract services

provided by them to the various Government and local authorities falls under the purview of Sr. No. 12(b) of Notification No. 25/2012-ST.

2. The application for claim of refund of Service Tax shall be made within a period of six months from the date on which the Finance Bill, 2016 receives assent of the President. The Finance Bill, 2016 got assent of the President on 14.05.2016 and they have filed refund claim on 11.11.2016 i.e. well within time limit.

3. The lower adjudicating authority failed to give consideration to the fact that they had provided services to the Government company and discharged their Service Tax liability during the period 01.04.2015 to 28.02.2016. They had also paid the Service Tax liability @50% on the part of M/s. Hindustan Steel Works Construction Limited which is over and above their Service Tax liability. Therefore, amount of Rs. 5,88,686/- paid by them is to be considered as Service Tax paid mistakenly although the same is liability on the part of M/s. Hindustan Steel Works Construction Limited, and it is payment made without authority of law. Mere payment of amount would not make it Service Tax payment. They rely on the following case-laws:

(a) KVR Construction reported as 2012 (26) STR 195 (Kar.)

(b) Kalpataru Power Transmission Ltd reported as 2016 (45) STR 454 (Tri.-Ahmd.)

Therefore, the time limit prescribed in Section 11B of the Central Excise Act, 1944 does not applicable in their case.

5. Shri Chetan Detharia appeared and reiterated grounds of appeal; that Rs. 11.77 lakhs paid instead of Rs. 5.88 lakhs; that even payments needs to be refunded; that the case laws of Hon'ble High Court of Karnataka in the case of KVR Construction reported as 2012 (26) S.T.R. 195 (Kar.) and of Hon'ble CESTAT in Kalpataru Power Transmission Ltd reported as 2016 (45) S.T.R. 454 (Tri.-Ahmd.) cover the issue.

FINDINGS:

6. I have carefully gone through the facts of the case, the impugned order, the appeal memorandum and reply filed by appellant. The issue to be decided in the present appeal is as to whether Rs. 5,88,686/- paid by appellant on behalf of M/s. Hindustan Steel Works Construction Limited rejected by the

lower adjudicating authority holding it as excess payment, is required to be refunded to the appellant or not.

7. I find that appellant has paid Service Tax of Rs. 5,88,686/- during the period April-September, 2015 and filed S.T.-3 return wherein Service Tax liability has been mentioned as Rs. 5,88,686/- and paid vide GAR-7 challan No. 02091 and 02090 both dated 11.08.2015 for Rs. 3,36,686/- and Rs. 1,12,000/- respectively. The appellant has also shown challan No. 01649 dated 03.10.2015 for Rs. 7,28,686/- as payment towards Service Tax liability for the quarter July-September, 2015. Thus, against their Service Tax liability of Rs. 5,88,686/-, they paid Service Tax of Rs. 11,77,372/-. The lower adjudicating authority, in the impugned order has sanctioned refund of Rs. 5,88,686/- and rejected refund of Rs. 5,88,686/- by holding it inadmissible as this amount should be claimed under Section 11B of the Central Excise Act, 1944, within one year. He also held that this excess payment of Rs. 5,88,686/- is ineligible to be considered for refund under the provisions of Section 102 of the Finance Act, 2016.

8. I find that amount of Rs. 5,88,686/- sanctioned as refund to the appellant is not in dispute. The only question is rejection of refund of remaining amount of Rs. 5,88,686/- which was paid in excess by the appellant and has been rejected as excess payment. It is a fact that the appellant was awarded contract for construction of boundary wall across the land allotted to Aligarh Muslim University Centre, Krishanganj, Chakla (Bihar) by M/s. Hindustan Steel Work Construction Limited for value of Rs. 7,23,66,994/-. In the grounds of appeal, the appellant has stated that they had also paid Service Tax liability @50% on behalf of M/s. Hindustan Steel Works Construction Limited, which is over and above their own Service Tax liability. Therefore, amount of Rs. 5,88,686/- paid by them is required to be considered as payment made by the appellant by mistake and Department can't retain this payment without authority of law.

9. The appellant has provided works contract services under reverse charge mechanism wherein, the service provider has to pay 50% of Service Tax and remaining is to be paid by the service receiver. In this case, the appellant has paid 100% of Service Tax as per the law, which service subsequently got exempted retrospectively vide Notification No. 09/2016-ST dated 01.03.2016 vide Section 102 of the Act. Therefore, the excess amount paid by mistake

can't be considered as Service Tax after 01.03.2016 and hence time limit of Section 11B will not be applicable in this case as held by Hon'ble Karnataka High Court in case of KVR Construction reported as 2012 (26) S.T.R. 195 (Kar.) and by Hon'ble CESTAT, Ahmedabad in case of Kalpataru Power Transmission Ltd reported as 2016 (45) S.T.R. 454 (Tri.-Ahmd.).

10. In view of above, I am of the view that there is no ground to deny the refund of excess payment of Service Tax claimed by the appellant and appeal filed by the appellant sustains. Accordingly, I set aside the impugned order and allow the appeal.

११. अपीलकर्ता द्वारा दर्ज की गई अपील का निपटारा उपरोक्त तरीके से किया जाता है।

11. The appeal filed by the appellant is disposed of in above terms.

(कुमार संतोष)
24/11/2018
आयुक्त (अपील्स)

By R.P.A.D.

To,

M/s. Dharti Engineers, Sardar Nagar
Street No. 1, Chakkargadh Road,
Amreli-365601

मे. धरती इंजीनियर्स, सरदार नगर स्ट्रीट
संख्या १, चककरगढ़ रोड, अमरेली-
३६५६०१.

Copy for information and necessary action to:

- 1) The Chief Commissioner, GST & Central Excise, Ahmedabad Zone, Ahmedabad for his kind information.
- 2) The Commissioner, GST & Central Excise, Bhavnagar.
- 3) The Assistant Commissioner, GST & Central Excise, Division, III (Amreli), Bhavnagar.
- 4) The Superintendent, GST & Central Excise, Range-Amreli.
- 5) Guard File.